

२-३-२३

पत्रावली पैत्रा दुई। वहीच प्राचीं एतं अत्राचीं उक्त  
वही। वहीच प्राचीं एतं अत्राचीं एतं हीन काद  
आवाज जगवारी करी। वहीच प्राचीं एतं अत्राचीं  
बावपुद प्रचना वी न्यापान्यम ई उक्त वही। अतः  
प्राचीं एतं प्राचीना पत्र उदम होजरी आत्म पैत्री  
ई वहीच लिपा जावो। पत्रावली पैत्राच पुत्राद  
होवत काद वहीच तत्त्वमीच वी यावहीच टपतल

६।

